हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

■ संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 अंक: 32 पृष्ठ: 8 शुक्रवार 17 दिसंबर से 23 दिसंबर 2021

महाराष्ट्र बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं की तारीख घोषित

■ महाराष्ट्र के स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने 10वीं-12वीं की परीक्षा की तारीख का ऐलान किया

मुंबई। महाराष्ट्र की स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने बताया कि, राज्य में HSC यानी 12वीं की लिखित परीक्षा 4 मार्च से 7 अप्रैल 2022 के बीच होगी, जबकि SSC यानी 10वीं की लिखित परीक्षा 15 मार्च से 18 अप्रैल 2022 तक ऑफलाइन आयोजित की जाएगी. साथ ही उन्होंने कहा कि, छात्रों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है. एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए, राज्य भर के स्कूलों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और मूल्यांकन विशेषज्ञों के साथ परीक्षा कार्यक्रम पर पहले ही विस्तार से चर्चा की जा चुकी है और उनके बहुमूल्य सुझावों को शामिल किया गया है.

जून-जुलाई में आएंगे रिजल्ट

वर्षा गायकवाड़ ने कहा, हम कोशिश करेंगे कि 12वीं का रिजल्ट जून 2022 के दूसरे हफ्ते तक और 10वीं का रिजल्ट जुलाई 2022 के दूसरे हफ्ते तक घोषित कर दिया जाए. कोरोना प्रिवेंशन रूल्स का सख्ती से पालन करने पर ही सभी परीक्षाएं पास होंगी.

14 फरवरी से होगी प्रैक्टिकल परीक्षाएं

राज्य में 12वीं, 10वीं के लिए प्रैक्टिकल, ग्रेड और मौखिक/आंतरिक अंक परीक्षा (प्रचलित प्रणाली के अनुसार) क्रमशः 14 फरवरी से 3 मार्च 2022 और 25 फरवरी से 14 मार्च 2022 तक आयोजित की जाएगी. महाराष्ट्र कक्षा 10, 12 बोर्ड परीक्षा 2022 के लिए परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा विविध हितधारकों के साथ प्रतिक्रिया और परामर्श के आधार पर की गई है.

क्रूज ड्रग्स केस

शाह रुख खान के बेटे आर्यन को मिली बड़ी राहत

मुंबई। मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में अभिनेता शाह रुख खान के बेटे आर्यन खान को बांबे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अब उन्हें हर हफ्ते शुक्रवार नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के सामने पेश नहीं होना होगा। जस्टिस एनडब्ल्यू साम्ब्रे की एकल पीठ ने कहा कि आर्यन खान को जमानत देते समय लगाई गई शर्त में बदलाव किया जाता है। अब उन्हे जांच एजेंसी के निर्देश पर एनसीबी दिल्ली के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। इसके लिए एनसीबी को उन्हें 72 घंटे पहले नोटिस जारी करना होगा।अदालत ने जमानत आदेश में निर्धारित एक और शर्त को भी बदलाव किया। मुंबई से बाहर जाने से पहले आर्यन को हर बार यात्रा संबंधी जानकारी एनसीबी को देनी पड़ती थी। अब वह जब अपना बयान दर्ज करने के लिए दिल्ली जाएंगे तो उन्हें यात्रा संबंधी जानकारी नहीं देनी होगी। मुंबई के बाहर किसी अन्य वजह जाने पर उन्हें अपना यात्रा संबंधी एनसीबी को देनी होगी आर्यन खान को 28 अक्टूबर को क्रूज ड्रग्स मामले में मुंबई हाई कोर्ट से शर्तों के साथ जमानत मिली थी। इनमें से एक शर्त यह थी कि उन्हें अपनी हर शुक्रवार को एनसीबी के दक्षिण मुंबई कार्यालय में पेश होना चाहिए।

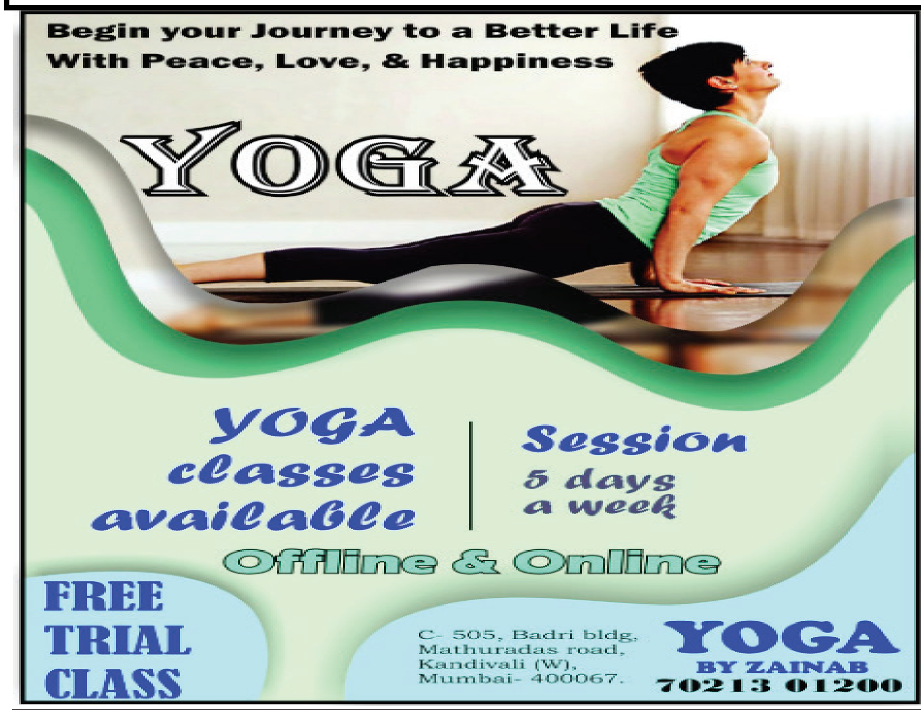

आखिर क्यों उद्धव सरकार के खिलाफ मुंबई कांग्रेस ने 24 घंटे के अंदर लिया यू-टर्न?

राहुल गांधी की रैली को नहीं दी थी इजाजत

मुंबई: कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक सभा मुंबई में आने वाले 28 दिसंबर को शिवाजी पार्क में होनी थी, जिसकी तैयारी मुंबई कांग्रेस के नेता तीन महीनों से कर रहे थे. मुंबई कांग्रेस प्रेसिडेंट भाई जगताप का कहना है कि राहुल गांधी की सभा की तैयारी तीन महीनों से चल रही थी. इस सभा की इजाजत मुंबई कांग्रेस राज्य सरकार से 9 अगस्त से ही मांग रही थी, पर तीन महीनों के बाद भी राज्य सरकार से कोई जवाब नहीं आया.इसके बाद मुंबई कांग्रेस के नेताओं ने अपनी ही सरकार के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए सभा के लिए याचिका दायर की. 14 दिसंबर को याचिका पर कोर्ट में सुनवाई भी होनी थी, पर कोर्ट में सुनवाई से कुछ समय पहले ही मुंबई कांग्रेस के नेताओं ने अपनी याचिका वापस ले ली. अब सबके मन में यह सवाल उठा कि 24 घंटों में ऐसा क्या हो गया कि मुंबई कांग्रेस के प्रेसिडेंट भाई जगताप को अपनी दायर की गई याचिका को वापस लेना पड़ा, वो भी पहली सुनवाई के कुछ समय पहले. इस मामलें में मुंबई कांग्रेस प्रेसिडेंट भाई जगताप का कहना है कि उन्होंने कोर्ट से अपनी याचिका इसलिए वापस ली है क्योंकि कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी की होने वाली सभा को कुछ दिनों के लिए आगे बढ़ा रही है. कोरोना और ओमिक्रॉन की वजह से रैली को करना पड़ा रद्द उन्होंने कहा कि कोरोना और नए वेरिएंट ओमिक्रॉन मिलने की वजह से इस रैली की तारीख को आगे किया जा रहा है. कांग्रेस नेताओं का मानना है कि रैली में लाखों लोगों के आने की उम्मीद थी, इस लिए कोरोना ज्यादा ना फैले, यह फैसला लिया गया है. पर सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुंबई कांग्रेस जिस सभा की तीन महीनों से तैयारी कर रही थी, उस सभा के लिए उनकी ही सरकार ने कोई जवाब क्यों नहीं दिया?

क्यों मुंबई कांग्रेस प्रेसिडेंट अपनी ही सरकार के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट चले गए..? मुंबई कांग्रेस प्रेसिडेंट दावा कर रहे हैं कि राहुल गांधी की सभी रैली रद्द नहीं, बल्कि तारीख को आगे बढ़ाया गया है .

संजय राउत के खिलाफ दिल्ली में किसने कराई FIR?

भड़के शिवसेना नेता ने कहा- मेरी आवाज दबाने की कोशिश

मुंबई:. शिवसेना के सांसद संजय राउत के खिलाफ देश की राजधानी दिल्ली में एक एफआईआर (FIR) दर्ज होने से सियासी पारा चढ़ गया है. दरअसल दिल्ली के मंडावली थाने में उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव दीप्ति रावत भारद्वाज ने एक मराठी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार के दौरान भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने और उन्हें धमकाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है. वहीं, दिल्ली में एफआईआर दर्ज होने के बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि मैंने जिस शब्द का इस्तेमाल किया, उसका मतलब मूर्ख है. उस शब्द का अर्थ सभी शब्दकोशों में दिया हुआ है, शब्दकोश सभी सरकार और साहित्य संस्थाओं से मान्यता प्राप्त है. फिर भी दिल्ली में मेरे खिलाफ एक एफआईआर दर्ज कर दिया गया है. ये बदले की भावना से किया गया हैइसके साथ उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ दिल्ली में राजनीतिक मकसद से एफआईआर दर्ज कराई गयी है. यह मेरी आवाज दबाने का प्रयास है.

25 दिसंबर तक ATS हिरासत में भेजा गया गैंगस्टर सुरेश पुजारी

मुंबई: मुंबई और कर्नाटक में जबरन वसूली के कई मामलों में वान्टेड गैंगस्टर सुरेश पुजारी को ठाणे की एक अदालत ने 25 दिसंबर तक एटीएस हिरासत में भेज दिया है. पुजारी मुंबई और इसके पास के इलाकों ठाणे, कल्याण, उल्हासनगर और डोंबिवली में भी जबरन वसूली के मामलों में वान्टेड है, उसे गिरफ्तार कर और फिलीपीन से प्रत्यर्पित करने के बाद मंगलवार देर रात भारत लाया गया था. पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया ब्यूरो और उइक के अधिकारियों ने पुजारी के दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उसे हिरासत में ले लिया. मुंबई और ठाणे पुलिस ने जबरन वसूली के कई मामलों के बाद क्रमशः 2017 और 2018 में उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था. अधिकारी ने बताया कि पुजारी 15 साल से अधिक समय से फरार था और उसे अक्टूबर में फिलीपीन में पकड़ा गया था. उसके खिलाफ ठाणे में जबरन वसूली के कुल 23 मामले दर्ज हैं. सुरेश गैंगस्टर रवि पुजारी का करीबी रिश्तेदार है और 2007 में उससे अलग हो गया था. इसके बाद वह विदेश भाग गया था.

अधिकारी ने कहा कि अपराध के क्षेत्र में अपने शुरूआती दिनों में उसने अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन और रवि पुजारी के साथ काम किया और बाद में अपना खुद का गिरोह बना लिया. गैंगस्टर सुरेश पुजारी को 25 दिसंबर तक एटीएस की हिरासत में भेजने पर महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने कहा, ये महाराष्ट्र पुलिस की बहुत बड़ी सफलता है कि उन्होंने कल ऐसे कुख्यात गुनहगार को पकड़ा. गैंगस्टर को कोर्ट में पेश किया जाएगा तथा हम उसकी रिमांड की भी मांग करेंगे.

वसई रेलवे पुलिस ने अन्य राज्यों से गिरफ़्तार किए 58 आरोपी

वसई। वसई रेलवे पुलिस सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले स्टेशनों पर तरह-तरह के अपराध होते हैं. चोर अक्सर अपराध कर पुलिस के चंगुल से बचने के लिए अन्य राज्यों में चले जाते हैं। ऐसे आरोपी को रेलवे पुलिस ने ट्रेस कर लिया है। पिछले तीन साल में रेलवे पुलिस ने राज्य में फरार 58 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. वसई रेलवे पुलिस स्टेशन मीरा रोड से वैतरणा तक 7 रेलवे स्टेशनों को कवर करता है। फिलहाल रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। लाखों यात्रियों ने यात्रा शुरू कर दी है। इसलिए इस भीड़ का फायदा उठाकर तरह-तरह के अपराध भी हो रहे हैं. इनमें जेब काटने, सोने की चेन चोरी, मोबाइल चोरी, उत्पीड़न के प्रकार के मामले शामिल हैं। रेलवे पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चोरी व अन्य घटनाओं की शिकायत आ रही थी। चोरी के बाद दोषियों को ढूंढना रेलवे पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती थी। कभी-कभी अपराधी वसई सहित विभिन्न स्थानों से चोरी करके अन्य राज्यों में भाग जाते हैं। पिछले तीन वर्षों में, वसई रेलवे पुलिस ने उत्तर प्रदेश, गुजरात, तेलंगाना और मध्य प्रदेश जैसे विभिन्न राज्यों से 58 आरोपियों को पकड़ा है। रेलवे पुलिस के मुताबिक 2019 में 31, 2020 में 16 और 2021 में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। कोड ; वसई रेलवे पुलिस निरीक्षक सचिन इंगवाले ने कहा कि कुछ आरोपी वसई रेलवे थाने की सीमा में अपराध कर अन्य राज्य भाग जाते थे। क्राइम ब्रांच की टीम ऐसे आरोपियों का पता लगा रही है। पिछले तीन साल में हमने अन्य राज्यों से करीब 58 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शख्स की हत्या, शव प्लास्टिक के टैंक में मिला लाश

विरार : विरार पूर्व क्षेत्र में एक अज्ञात शख्स की हत्या किए जाने की खबर सामने आई है। इस हत्या मामले में विरार पुलिस ने अज्ञात आरोपी के ऊपर कलम 302,201 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आगे की तहकीकात में जुट गयी है। विरार थाने के सीनियर पीआई सुरेश वराडे ने कहा कि अभी तक शव की शिनाख्त (पहचाना) नही हो पाई है,जिसकी छानबीन विरार पुलिस कर रही है। यह जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को दी है। पुलिस ने बताया कि 25 नवम्बर को सुबह 8;30 बजे के आसपास मौजे उसगांव अंतर्गत शिरसाड नाका - वजेश्वरी रोड,प्रभाकर पाटिल भाईंदरकर की वाड़ी विरार पूर्व इलाके में अज्ञात आरोपी द्वारा किसी अज्ञात कारण वश एक 40 से 45 वर्षीय पुरुष की किसी हथियार या गला दबाकर हत्या कर शव को ह्यपायल कंटेनरह्न इंग्लिश में लिखा प्लास्टिक टैंक में कंबल में साड़ी के टुकड़ा से हाथ पैर बांधकर,सबूत नष्ट करने से इरादे से डाल दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शवको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने कहा कि अज्ञात आरोपी के ऊपर उक्त धाराओ के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है तथा जल्द ही शव की शिनाख्त व हत्यारे पकड़े जाएंगे।

अपराध शाखा कक्ष-3 को मिली सफलता अंतर्राज्यीय गिरोह के 4 शातिर सदस्य गिरफ्तार

वसई: मीरा-भाईंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत अपराध कक्ष 03 (क्राइम) की टीम ने हायवा ट्रक चोरी के मामले में अंतर्राज्यीय गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी शनिवार को दी है। पुलिस ने बताया कि दीपक नरेश किनी (42) की ट्रक क्र. एमएच 48/एवाय 6464 गाड़गपाड़ा,विरार पूर्व क्षेत्र में पार्क की गयी थी,अज्ञात चोर द्वारा 12/12/2020 रात्रि 8 बजे से 14 /12/2020 दोपहर 12;30 बजे के दरम्यान चोरी कर फरार हो गए.इस मामले में किनी ने विरार थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज करवाया था। संबंधित मामले की छानबीन पुलिस महकमा कर रही थी। विरार शहर में बढ़ते वाहन चोरी मामले को लेकर पुलिस विभाग ने अपराध कक्ष 03 (क्राइम) की टीम को सौंपा। जिसके बाद टीम ने तकनीकी व गुप्त सूचना के आधार पर 4 शख्स को दबोचा। और छानबीन के बाद आरोपी अमनदिप ऊर्फ जसप्रित उजागर सिंह,बलजीतसिंग कल्याण सिंह सासन,इब्राहीम समद खान और सचिन सुर्यकांत विभुते को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि,चोरी हुई हायवा ट्रक (कीमत 20,0000 रुपये) बरामद किया गया है।पुलिस के मुताबिक ,आरोपी अमनदीप उर्फ जसप्रीत उजागर सिंह पर मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पुणे, नासिक, अहमदनगर, रायगढ़ और पंजाब में चार पहिया वाहन चोरी के 30 से अधिक मामले दर्ज हैं। यह कार्रवाई डॉ.महेश पाटील , पुलिस उप आयुक्त (क्राइम), पद्माजा बडे , सहा.पोलीस आयुक्त (क्राइम) के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक प्रमोद बडाख , पोउपनिरी शिवाजी खाडे,पो.ना. मनोज चव्हाण , पो.ना. प्रदीप टक्के, पो.ना. सागर बारवकर ,पो.ना. मनोज सकपाळ,पो.ना. सचिन घेरे और पो.शि .अश्विन पाटील आदि कर्मचारी ने की है।

वसई से दो गांजा तस्कर गिरफ्तार

वसई : वालीव पुलिस ने नायगांव पूर्व क्षेत्र से दो गांजा तस्करो को गिरफ्तार किया है। दोनो आरोपियों के ऊपर वालीव थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। इसकी जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को दी है। पुलिस ने बताया कि वालीव थाने के विभिन्न क्षेत्रों में गांजा,एम.डी ड्रग्स व अमली पदार्थ सेवन करने वाले नशेड़ी बाजो पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि 25 नवम्बर को नायगांव पूर्व के चिंचोटी आशानगर खदान के पास स्थित दो शख्स उम्र 30 व 25 वर्ष को गांजा के मामले में दबोचा गया। पुलिस के मुताबिक,इनके पास से 1 किलो 100 ग्राम वजन गांजा जप्त किया गया। जिसकी कीमत 10 हजार रुपये आकी गयी है। पुलिस ने अनुसार,15 हजार रुपये नगद व एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। कुलमिलाकर पुलिस ने 41,500 रुपये का माल बरामद किया गया है।

अज्ञात महिला का शव तैरता मिला

वसई : विरार स्थित निमार्णाधीन जेटी के पास अरब सागर में एक अज्ञात महिला का शव तैरता हुआ मिला है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।अनार्ला सागरी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि, शनिवार शाम को कुछ स्थानीय लोगों ने म्हरामबल पाडा जेटी के पास पूरी तरह से सड़ चुके एक शव को देखा, जिसके गले में पत्थर बंधा हुआ था और इसकी जानकारी पुलिस को दी गई।उन्होंने बताया कि, पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए शासकीय अस्पताल भेजा। अधिकारी ने बताया कि, आशंका है कि यह शव 30 से 35 वर्ष की महिला का है। उन्होंने आशंका जताई कि महिला की तीन-चार दिन पहले हत्या कर उसका शव पानी में फेंक दिया गया।

संपादकीय

संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला

राह रोकने वाली राजनीति

किसान संगठन अब अपने एक वर्ष पुराने आंदोलन को खत्म करने के संकेत दे रहे हैं। लेकिन विपक्ष इस कोशिश में है कि किसी तरह इनके मुद्दों को तूल दिया जाता रहे। लिहाजा इससे यदि आंदोलन जारी रहता है तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। इस पर हैरानी नहीं कि जब किसान संगठन अपने आंदोलन को खत्म करने के संकेत दे रहे हैं, तब विपक्ष इस कोशिश में जुट गया है कि किसी बहाने इन संगठनों के मुद्दों को तूल दिया जाता रहे। विपक्ष की इस कोशिश के चलते यदि यह आंदोलन जारी रहे तो हैरत नहीं। वैसे भी किसान नेता इस इरादे से लैस दिख रहे हैं कि कृषि कानूनों को वापस लेकर झुकी सरकार को और अधिक झुकाया जाए। इसीलिए नित-नई मांगें पेश की जा रही हैं और उन पर अड़ियल रवैये का परिचय भी दिया जा रहा है। पता नहीं सरकार किसान नेताओं की मांगों के आगे और कितना झुकेगी, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि यदि वह ऐसा करती है तो उसकी छवि पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इससे भी खराब बात यह होगी कि उन तत्वों को बल मिलेगा, जो जोर-जबरदस्ती सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा कर अपनी मांगें मनवाने पर अड़ जाते हैं। यदि ऐसा हुआ तो इससे कुलमिलाकर शासन करना और अधिक कठिन ही होगा। यह वह बुनियादी बात है, जिसे सत्तापक्ष के साथ विपक्ष को भी समझना चाहिए। कोई भी संगठन हो, यदि उसकी मांगें जायज हों तो उन्हें मानने में हीलाहवाली नहीं की जानी चाहिए और यदि वे अनुचित हों तो फिर उन्हें मानने से इन्कार किया जाना चाहिए।कृषि कानूनों की वापसी के बाद भी विपक्ष जैसे किसान संगठनों के मुद्दों को हवा दे रहा है, वैसे ही अपने 12 सांसदों के निलंबन को भी। राज्यसभा में हुड़दंग मचाने वाले सांसदों के निलंबन में कुछ भी गलत नहीं। हुड़दंगी सांसदों के निलंबन का विरोध अशोभनीय आचरण को जायज ठहराना ही नहीं, एक तरह से चोरी और सीनाजोरी वाली कहावत को चरितार्थ करना भी है। यद्यपिसत्तापक्ष सांसदों का निलंबन खत्म करने की विपक्ष की बेजा मांग को मानने के लिए तैयार नहीं, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। उसे अवसर का लाभ उठाते हुए ऐसे नियम-कानून बनाने चाहिए, जिससे अशोभनीय आचरण करने वाले सांसदों को उनके किए की सजा मिल सके और उनके दलों की ओर से संसद की कार्यवाही बाधित न की जा सके।

काशी विश्वनाथ में पीएम मोदी ने किया कॉरिडोर का उद्घाटन

पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार 13 दिसंबर को वाराणसी में बहुप्रतिक्षित काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का उद्घाटन कर रहे हैं. हिंदू धर्म स्थलों का हाल किसी से छुपा नहीं रहा है. कुछ खास मंदिरों को छोड़ दिया जाए तो देश के अधिकतर मंदिर चाहे काशी- अयोध्या-मथुरा हों या देश के किसी अन्य जगहों के मंदिर उनकी दुर्दशा देखकर मन दुखी हो जाता रहा है. यह बात अकसर कचोटती थी कि गुरुद्वारों और गिरिजाघरों में इतनी साफ सफाई और इतनी भव्यता कैसे होती है? हम क्या अपने मंदिरों को सजा संवार नहीं सकते सकते हैं?

दरअसल होता ये रहा है कि देश में मंदिर की बात करते ही किसी भी नेता या व्यक्ति को सांप्रदायिक करार दे दिया जाता रहा है. हालांकि गांधी जी ने खुद 1916 में अपने बनारस विजिट में बहुत पहले ही ये बात कही थी कि अगर हम अपने मंदिरों की देखभाल नहीं कर सकते तो हम स्वशासन की बात किस मुंह से और कैसे कर सकेंगे? गांधी बहुत महान शख्सियत थे उन्होंने सही मायने में हिंदू धर्म और भारत को समझा था. और वो जानते थे कि भारत का पुनर्जागरण तभी संभव है जब हिंदू धार्मिक स्थलों का पुनर्त्थान हो. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सही मायने में उन्हें आज सच्ची श्रद्धांजलि दे रहे हैं राष्ट्रपिता की आत्मा को आज उनके मरने के 70 साल बाद शांति मिल रही होगी कि उनकी इच्छानुसार देश भर के मंदिरों का कलण हो रहा है. पीएम मोदी ने अपने नेतृत्व में सोमनाथ मंदिर, अयोध्या-काशी के मंदिर ही नहीं बल्कि इन शहरों का भी सुधार हो रहा है. उत्तराखंड में चार धाम यात्रा मार्ग हो या मंदिर सबका उद्धार हो रहा है. यही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभियान की प्रेरणा ही रही है कि दूसरी पार्टियों वाले राज्यों जैसे छत्तीसगढ़ , उड़ीसा , तेलांगना आदि राज्यों ने भी हिंदू धर्म स्थलों को भव्य बनाने का कार्यक्रम शुरू किया है. भारत में मंदिरों के उद्धार का जब भी इतिहास लिखा जाएगा महाराजा विक्रमादित्य और अहिल्याबाई होल्कर के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम भी स्वर्णाक्षरों में शामिल होगा. फरवरी 1916 में महात्मा गांधी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के स्थापना सम्मेलन में गए. बीएचयू में अपने संबोधन से एक दिन पहले गांधी काशी विश्वनाथ मंदिर गए. मंदिर की गंदगी ने उन्हें बहुत निराश किया. मंदिर की दुर्दशा की तुलना उन्होंने भारतीय समाज से व्याप्त बुराइयों से की. बीएचयू के अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ह्यइस महान मंदिर में कोई अजनबी आए, तो हिंदुओं के बारे में उसकी क्या सोच होगी और तब जो वह हमारी निंदा करेगा, क्या वह जायज नहीं होगी?, क्या इस मंदिर की हालत हमारे चरित्र को प्रतिबिंबित नहीं करती? एक हिंदू होने के नाते, मैं जो महसूस करता हूं वही कह रहा हूं. अगर हमारे मंदिरों की हालत आदर्श नहीं है, तो फिर अपने स्वशासन के मॉडल को हम कैसे गलतियों से बचा पाएंगे? जब अपनी खुशी से या बाध्य होकर अंग्रेज इस देश से चले जाएंगे, तो इसकी क्या गारंटी है कि हमारे मंदिर एकाएक पवित्रता, स्वच्छता और शांति के प्रतिरूप बन जाएंगे? महात्मा गांधी जो चाहते थे उसमें से बहुत कुछ ऐसा हुआ जो स्वतंत्र भारत में कभी नहीं हो सका. आजादी के तुरंत बाद गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर का पुनर्कल्याण भी बहुत मुश्किल काम था. देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु कतई नहीं चाहते थे कि सोमनाथ मंदिर हिंदुत्व के उभार का कारण बने. यहां तक कि सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों के चलते मंदिर का उत्थान तो हो गया पर राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन कार्यक्रम में जाने से प्रधानमंत्री नेहरु ने भरसक रोकने की कोशिश की पर सफल नहीं हुए. नेहरू के उत्तराधिकारियों ने भी उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए कुछ ऐसा माहौल बनाया कि महात्मा गांधी के मंदिरों के उद्धार का सपना , सपना ही रह गया. इंदिरा गांधी हों या राजीव गांधी मंदिरों में दर्शन करने जरूर जाते रहे पर उनके उद्धार के बारे में कभी नहीं सोचा. इंदिरा गांधी ने देश के कई हिस्सों में स्थित मंदिरों का दौरा किया. उनके बाद की पीढ़ियों भी ऐसा ही कर रही हैं. पर मंदिरों के उद्धार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्साह के चलते आज देश में स्थितियां बदल चुकी हैं. एक वक्त ऐसा था मंदिर मुद्दे के चलते भारतीय जनता पार्टी दूसरी पार्टियों के लिए अछूत हो जाती थी. पर अब ऐसा नहीं है. आज स्थित बदल चुकी है. उत्तर प्रदेश की सभी पार्टियां अलग-अलग रूप में अपना अयोध्या कनेक्शन दिखा रही हैं. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली वासियों को मुफ्त में ट्रेनें भर-भरकर अयोध्या भेज रहे हैं. पंजाब के कांग्रेसी सीएम ही नहीं दूसरे दल वाले भी मंदिरों की यात्राएं कर रहे हैं. छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार कौशल्या माता मंदिर का निर्माण करा रही है. तेलंगाना की केसीआर सरकार कई सौ करोड़ खर्च कर भव्य यदाद्रि मंदिर बनवा रही है. उड़ीसा में कभी जगन्नाथ मंदिर में नहीं जाने वाले सीएम नवीन पटनायक अब मंदिर में दर्शन के लिए इवेंट मैनेज करते हैं. कई सौ करोड़ खर्च कर जगन्नाथ मंदिर को सुविधायुक्त बनाने की योजना पर काम शुरू हो चुका है. अयोध्या-काशी का कल्याण 2019 में रामजन्मभूमि विवाद में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद आसान नहीं था कि एक साल के अंदर उसका शिलान्यास हो जाए और काम शुरू हो जाए. पर अब मंदिर बनकर तैयार होने वाला है. इसके साथ ही अयोध्या शहर का भी कल्याण हो रहा है. आस-पास के सभी मंदिरों के जीर्णोद्धार पर दिन रात काम हो रहा है. अयोध्या में दुनिया की सबसे ऊंची श्रीराम की प्रतिमा भी बन रही है. दिल्ली और काशी-अयोध्या-मथुरा को बुलेट ट्रेन से जोड़ने की योजना है. लखनऊ से अयोध्या के लिए अलग एक्सप्रेस वे, अयोध्या में एक इंटरनैशनल एयरपोर्ट भी बन रहा है.

काशी विश्वनाथ कॉरीडोर को बनाना भी आसान नहीं था. मंदरि के आस-पास से बहुत से लोगों को हटाना और उनका पुनर्वास कराना और मुकदमों से पार पाना बहुत ही जटिल कार्य था.

यूपी को देश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का मिलेगा उपहार

पीएम मोदी 18 दिसंबर को करेंगे शिलान्यास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को एक और एक्सप्रेस-वे का उपहार मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 दिसंबर को शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वह रेलवे ग्राउंड पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने 36,230 करोड़ रुपये की लागत से 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना की स्वीकृति पिछले साल 26 नवंबर को दी थी। उत्तर प्रदेश के मेरठ से शुरू होने वाला गंगा एक्सप्रेस-वे देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे होगा। इस एक्सप्रेस-वे पर भी वायुसेना के विमानों के आपातकालीन टेक-ऑफ और लैंडिंग में सहायता के लिए साढ़े तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई जाएगी। यह हवाई पट्टी शाहजहांपुर जिले में बनाई जानी है।गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में मील का पत्थर साबित होने वाला है। पूर्वी उत्तर प्रदेश से पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक सूत्र में पिरोने वाला गंगा एक्सप्रेस-वे सीधे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से जुड़ेगा। खास बात यह है कि गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए जब भूमि खरीदी जा रही थी, उस समय पूरे देश में कोरोना की लहर पीक पर थी। इसके बावजूद महज एक साल में गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए 83 हजार किसानों से 94 प्रतिशत भूमि खरीदी गई है।परियोजना के लिए करीब 7386 हेक्टेयर भूमि

की आवश्यकता है, जिसमें पिछले चार माह में 71,621 किसानों से भूमि खरीदी गई है। अब तक कुल 82,750 किसानों से भूमि की खरीद हुई है। पर्यावरण संरक्षण के लिए एक्सप्रेस वे के किनारे करीब 18,55,000 पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही परियोजना में अधिग्रहित भूमि पर सोलर पावर के माध्यम से ऊर्जा का उत्पादन होगा, जिससे परियोजना के संचालन के लिए आवश्यक ऊर्जा की पूर्ति होगी।पश्चिमी यूपी के विकास को लगेंगे पंख : गंगा एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आधे से ज्यादा एक्सप्रेस-वे पश्चिम यूपी के मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, सम्भल, बदायूं, शाहजहांपुर जिले से गुजर रहा है। हापुड़ और बुलंदशहर सहित अन्य जिलों के लोगों के आवागमन के लिए गढ़मुक्तेश्वर में एक अन्य पुल बनाया जाएगा। गंगा एक्सप्रेस वे यूपी से पूर्वांचल को कनेक्ट करेगा। यह एक्सप्रेस-वे यूपी के 12 जिलों मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं , शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और रायबरेली से होकर गुजरेगा। एक्सप्रेस-वे 519 गांवों को भी जोड़ेगा।

मनीष हत्याकांड : जांच से पहले मिटा दिए थे कई साक्ष्य

अब पुलिस वर्दी कब्जे में लेगी सीबीआइ

कानपुर। बर्रा के प्रापर्टी डीलर मनीष गुप्ता की पुलिस पिटाई से मौत के मामले में सीबीआइ जल्द ही आरोपित पुलिसकर्मियों की वर्दी कब्जे में लेगी। पहले मामले की जांच कर रही एसआइटी वर्दियां कब्जे में नहीं ले पाई थी। मनीष की पत्नी का कहना था कि जब सीबीआइ उनसे पूछताछ करने के लिए आई थी तब इसकी जानकारी दी गई थी।गोरखपुर के रामगढ़ताल के होटल कृष्णा पैलेस में पुलिस की बर्बरता का शिकार हुए बर्रा तीन निवासी प्रापर्टी डीलर मनीष गुप्ता की मौत के मामले में मुख्यमंत्री के आदेश पर एसआइटी गठित की गई थी। जांच से पहले ही वारदात में शामिल पुलिस कर्मियों ने कई साक्ष्य मिटा दिए थे।

चाचा शिवपाल सिंह यादव से मिलने घर पहुंचे -अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरुवार को शाम करीब साढ़े तीन बजे अचानक अपने चाचा व प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल यादव से मिलने उनके घर पहुंच गए। चाचा और भतीजे की इस मुलाकात की जानकारी सियासी गलियारे में आते ही यूपी की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कुछ देर बाद अखिलेश यादव ने शिवपाल यादव के साथ अपनी तस्वीर ट्वीट कर इस बात की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलाकात हुई और गठबंधन की बात तय हुई। क्षेत्रीय दलों को साथ

> एक साथ लड़ेंगे यूपी विधानसभा चुनाव

लेने की नीति सपा को निरंतर मजबूत कर रही है और सपा और अन्य सहयोगियों को ऐतिहासिक जीत की ओर ले जा रही है।पिछले कई महीनों से चाचा शिवपाल और उनके भतीजे अखिलेश यादव के मन में एक दूसरे के प्रति नरमी और श्रद्धा भाव देखा जा रहा था। ऐसे में पहले से यह कयास लगाए जा रहे थे कि यूपी विधानसभा चुनाव 2022 से पहले ही चाचा और भतीजे फिर से एक हो सकते हैं। शिवपाल सिंह यादव ने गुरुवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नगर व जिलाध्यक्षों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक के बाद ही अखिलेश यादव शिवपाल के आवास पहुंचे। शिवपाल और अखिलेश की मुलाकात करीब 20 मिनट तक चली। उन्होंने इस दौरान मीडिया से बातचीत नहीं की। यह भी बताया जा रहा है कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव पहले से ही शिवपाल के आवास पर मौजूद थे।

कविता

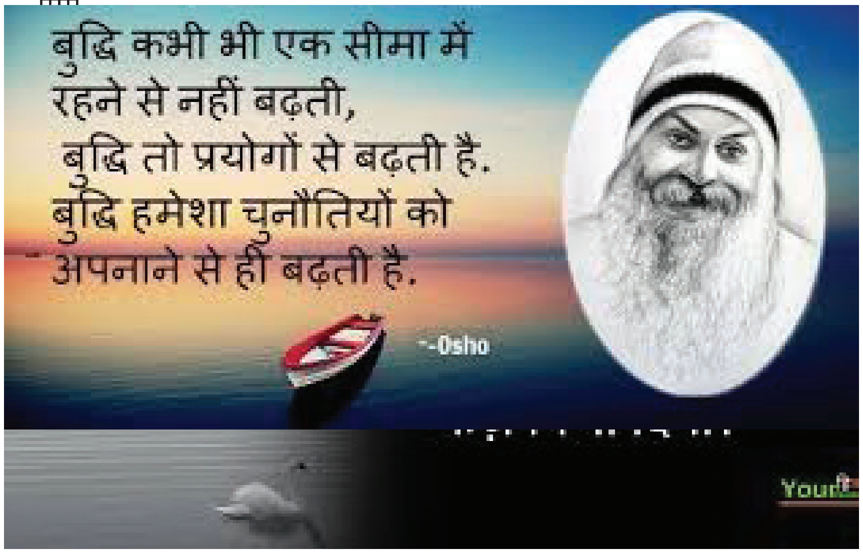

कहै कबीर दीवाना-ओशो

मनुष्यों से दूर रहना चाहता है। मनुष्यों से एक फासला रखता है, कि कहीं कोई जेब तक न पहुंच जाए। उसकी तिजोड़ी तक न आ जाए। कृपण, वस्तुओं को प्रेम करनेवाला व्यक्ति मनुष्यों के प्रति घृणा से भरा होता है, और परमात्मा के प्रति उपेक्षा से। इसलिए वास्तविक नास्तिक कृपण है; वस्तुओं का प्रेमी है। वह चाहे मंदिर में पूजा करते हो, उसकी पूजा के पीछे भी धन की ही मांग छिपी होती है। वह परमात्मा को नहीं मांगता, वह और धन को मांगता है।परमात्मा अगर मौजूद भी हो जाए, और उससे कहे, तू एक वरदान मांग ले, तो वह परमात्मा को छोड़ कर और सब चीजों की सोचेगा। कि एक रोल्स रायस मांग लूं, कि राष्ट्रपति का पद मांग लूं, कि सारी दुनिया की संपदा मांग लूं। एक बात उसे याद न आएगी कि परमात्मा को मांग लूं। उस भर को वह सोच भी न सकेगा। वह उसकी सीमा के बाहर है। वस्तुओं से जो घिरा है, वह मनुष्यों से घृणा करेगा, और परमात्मा की उपेक्षा।

जारी......

दूध के साथ केला और शहद का सेवन करने से मिलते हैं ये 5 फायदे

स्वस्थ खानपान और जीवनशैली की मदद से आप शरीर को न सिर्फ फिट रखते हैं बल्कि इससे शरीर में कई तरह की गंभीर बीमारियां भी नहीं होती हैं। दूध को शरीर के लिए बहुत फायदेमंद पेय पदार्थ माना जाता है, इसके सेवन से आपके शरीर को कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व मिलते हैं। दूध में विटामिन, कैल्शियम और प्रोटीन जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। कई लोगों का यह प्रश्न है कि क्या दूध के साथ शहद और केला खाया जा सकता है? अगर हां तो इसके क्या फायदे होते हैं। दरअसल दूध केला शहद के फायदे अनेकों हैं और इनका एकसाथ सेवन शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। दूध, केला और शहद का एक साथ सेवन शरीर में कई गंभीर समस्याओं को दूर करने का भी काम करता है। शहद में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं जो शरीर की कई समस्याओं में फायदेमंद होते हैं।

आइये जानते हैं दूध केला शहद के फायदे और इनके सेवन का तरीका।दूध केला शहद खाने से क्या होता है? दूध, केला और शहद का सेवन शरीर के लिए कई मायनों में फायदेमंद होता है। आरोग्यं हेल्थ सेंटर के आयुर्वेदाचार्य डॉ एस के पांडेय के मुताबिक केले में सेहत के लिए जरूरी विटामिन बी 6, विटामिन बी 5 और विटामिन बी 3 के साथ फाइबर और कैल्शियम पाया जाता है। पाचन तंत्र के लिए केले का सेवन बहुत उपयोगी माना जाता है। केले का सेवन शरीर में पाचन तंत्र से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने का काम करता है। दूध केला और शहद का दुबले-पतले और कमजोर लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। दूध, केला और शहद का एकसाथ सेवन वजन बढ़ाने के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके एकसाथ सेवन से होने वाले प्रमुख फायदे इस प्रकार से हैं।

1. दूध केला और शहद को एकसाथ खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसका सेवन शरीर की इम्यूनिटी को बूस्ट करने का काम करता है। केले में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है और शहद में शरीर के लिए फायदेमंद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं।

राइमा सेन ने बिना पैंट सिर्फ ओपन जैकेट में कराया फोटोशूट

बंगाली फिल्मों की जानी मानी एक्ट्रेस राइमा सेन हमेशा ही चर्चा में बनीं रहती हैं। राइमा ने बंगाली फिल्मों के साथ बॉलीवुड तक फिल्मों में काम किया है। राइमा एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह इन दिनों अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में बनीं हुई हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें पोस्ट कर फैंस को सरप्राइज रहती हैं। इसी बीच राइमा सेन की एक तस्वीर ने उनके इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इस तस्वीर में राइमा बला की हॉ नजर आ रही हैं। राइमा सेन ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी अपनी एक बेहद ही हॉट तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में उनका हॉट लुक देख कर फैंस के होश उड़े हुए हैं। फोटो में आप देख सकते हैं कि राइमा बेहद ही शॉर्ट ड्रेस में चेयर पर बैठी नजर आ रही हैं। वहीं फोटोशूट में राइमा ने बिना पैंट पहने सिर्फ जैकेट में फोटोशूट कराया हैं। इसके साथ ही उन्होंने लॉन्ग लेदर बूट्स पहने हुए हैं। इस दौरान उनके बाल खुले हुए हैं। वहीं राइमा कैमरे के सामने कातिलाना आदाओं में पोज देती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में उनका लुक हर किसी का दिल जीत रहा है।आपको बता दें राइमा सेन बीते दिनों अपनी वेब सीरीज द्य लास्ट आवरद्ध को लेकर काफी रहीं हैं। वहीं कुछ वक्त पहले राइमा अपने टॉपलेस फोटोशूट को लेकर काफी सुर्खियां बटोर चुकी हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी तीन टोपलेस तस्वीरें साझा की थीं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड अंदाज देखते ही बन रहा था। हलांकि बाद में राइमा ने अपनी इन तस्वीरों को डिलीट कर दिया था। राइमा सेन का यह फोटोशूट फोटोग्राफर तथागत घोष ने किया था। आपको बता दें कि राइमा सेन हिंदी के साथ बंगाली सिनेमा में काफी सक्रिय रही हैं।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान का दौरा बीच में किया खत्म,नहीं खेलेगी वनडे सीरीज

कराची। पाकिस्तान का दौरा कर रही वेस्टइंडीज की टीम ने कोरोना की वजह से सीरीज के जल्दी खत्म करने का फैसला लिया है। टी20 सीरीज के बाद टीम को तीन वनडे मैच खेलना था लेकिन अब वह इसे बिना खेले ही वापस लौटेगी। वेस्टइंडीज टीम के तीन खिलाड़ी और दो सहयोगी स्टाफ के कोरोना वायरस जांच में पाजिटिव पाए जाने के बाद मौजूदा पाकिस्तान दौरा खटाई में पड़ गया। जानकारी के मुताबिक कोरोना की चपेट में आई वेस्टइंडीज टीम ने टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला बुधवार को खेला। इसके बाद टीम मैनेजमेंट और बोर्ड ने दौरे को आगे ना बढ़ाते हुए वनडे सीरीज को फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया। 18, 20 और 22 दिसंबर को खेले जाने वाले मुकाबले को अगले साल जून में आयोजित किए जाने का फैसला लिया गया है। विकेटकीपर शाई होप, बायें हाथ के स्पिनर अकील हुसैन और आलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा कराई गई ताजा जांच में संक्रमित पाए गए। सहायक कोच राडी एस्टविक और टीम डाक्टर अक्षय मानसिंह भी पाजिटिव पाए गए हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के अनुसार, तीनों खिलाड़ी आगामी मैच नहीं खेल सकेंगे और पांचों व्यक्ति क्वारंटाइन में रहेंगे। चिकित्सा अधिकारी उनकी देखरेख करेंगे। उन्हें 10 दिन या आरटी पीसीआर जांच निगेटिव आने तक क्वारंटाइन में रहना होगा। वेस्टइंडीज के अब छह खिलाड़ी कोरोना संक्रमण के शिकार हो गए हैं जबकि डेवोन थामस अंगुली में चोट के कारण बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। इससे पहले तेज गेंदबाज शेल्डन कोटरेल और आलराउंडर रोस्टन चेस तथा काइल मायेर्स भी कोरोना संक्रमण के कारण टी-20 सीरीज से बाहर हो गए थे।

विराट कोहली के तमाम कमेंट पर बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने विराट कोहली द्वारा बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में कही गई बातों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। कोहली ने साउथ अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से ठीक पहले बुधवार को वनडे कप्तानी व टी20 कप्तानी को लेकर अपनी बातें सबके सामने रखी थी। कोहली ने कहा था कि गांगुली ने उन्हें कभी टी20 की कप्तानी छोड़ने से पहले नहीं रोका था साथ ही वनडे की कप्तानी से हटाने से पहले भी उनसे किसी तरह की कोई बात नहीं की गई थी। कोहली ने कहा था कि मेरे साथ बातचीत के बारे में जो कुछ भी कहा गया था वो गलत था और 8 दिसंबर को वनडे कप्तानी से हटाए जाने से सिर्फ डेढ़ घंटा पहले मुझे इसके बारे में बताया गया था। इससे पहले इसे लेकर मुझसे किसी भी तरह की कोई बात टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद नहीं की गई थी। जब मैंने टी20 टीम की कप्तानी छोड़ी, तो मैंने सबसे पहले इउउक से संपर्क किया और उन्हें अपने फैसले से अवगत कराया और उनके सामने अपनी बात रखी। मैंने कारण बताया कि मैं टी20 कप्तानी क्यों छोड़ना चाहता था और मेरे विचार को बहुत अच्छी तरह से सुना गया था।

साउथ अफ्रीका पहुंची भारत की टेस्ट टीम, कोच और कप्तान नजर आए व्यस्त

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए गुरुवार को साउथ अफ्रीका पहुंची। टीम इंडिया की कप्तान विराट कोहली, कोच राहुल द्रविड़ और ओपनर केएल राहुल पूरी सुरक्षा एहतियात के साथ एयरपोर्ट पर नजर आए। साउथ अफ्रीका के इस दौरे से पहले काफी कुछ हो चुका है। रवाना होने से पहले कोहली के प्रेस कान्फ्रेंस ने भी काफी विवाद खड़ा किया। इन सभी चीजों के बीच टीम इस दौरे पर सफलता हासिल करने नए कोच के साथ पहुंची है।भारतीय टेस्ट टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर पहुंच चुकी है। इस बात की जानकारी बीसीसीआइ ने ट्वीटर पर तस्वीर के साथ संदेश जारी करते हुए दी है। बोर्ड के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कोच द्रविड़, कप्तान कोहली और ओपनर राहुल की एयरपोर्ट पर पहुंचने की तस्वीर साझा की गई।

विराट कोहली के विरोधाभासी बयान पर सौरव गांगुली को तस्वीर साफ करनी चाहिए : गावस्कर

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि कप्तानी के मसले पर विराट कोहली के विरोधाभासी बयान पर सौरव गांगुली ही तस्वीर साफ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआइ अध्यक्ष से पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास कैसे आया। गावस्कर ने कहा, कोहली का बयान शायद बीसीसीआइ के लिए नहीं है। मुझे लगता है कि उस व्यक्ति से सवाल पूछा जाना चाहिए कि कोहली को ऐसा संदेश कैसे गया। गांगुली बीसीसीआइ अध्यक्ष हैं और उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास क्यों है। वह ही इसके बारे में जवाब दे सकेंगे उन्होंने कहा, यहां क्या विवाद है। चयन समिति के अध्यक्ष ने उन्हें साफ तौर पर बता दिया कि अब वनडे कप्तानी उनके पास नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति को इसका अधिकार है। कप्तान के पास मतदान का अधिकार नहीं होता। ऐसा तो नहीं है ना कि मीडिया से उन्हें पता चला या एक सवारी विमान के कमांडर ने इसकी घोषणा की। विराट को चयन समिति के अध्यक्ष ने बताया कि वह अब कप्तान नहीं हैं। इसमें क्या गलत है। चयन समिति के अध्यक्ष और उनके बीच संवाद हुआ और ऐसा ही होना चाहिए। आपको बता दें कि ये विवाद तब शुरू हुआ जब विराट कोहली ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस ने सौरव गांगुली को लेकर कई बातों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गांगुली ने कभी उन्हें टी20 की कप्तानी छोड़ने के लिए नहीं कहा था

ओमिक्रोन वैरिएंट के बढ़े मामले, मुंबई में धारा 144 लागू

मुंबई: महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण (ओमिक्रोन) के बढ़ते मामलों के बीच मुंबई में कोविड प्रतिबंधों को 31 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस दौरान सड़कों पर मुंबई पुलिस लोगों की चेकिंग कर रही है। मुंबई में नए साल की पूर्व संध्या तक के लिए धारा 144 लागू है। पुलिस अधिकारी ने बताया, जिन लोगों ने मास्क नहीं पहन रखा है उनके खिलाफ जुमार्ना लगाया जा रहा है। किया गया तो कार्रवाई की जाएगी। दक्षिण अफ्रीका से आए कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन की चपेट में अब तक देश के कई राज्य आ चुके हैं। बुधवार रात तक देश में ओमिक्रोन संक्रमण के 12 और नए मामले सामने आए हैं। इनमें से महाराष्ट्र और केरल में चार-चार मामले जबकि दो मरीज तेलंगाना और एक-एक बंगाल और तमिलनाडु में पाए गए हैं। इसके साथ ही देश में ओमिक्रोन के कुल मामलों की संख्या 73 हो गई है तेलंगाना में ओमिक्रोन से संक्रमित पाए गए दोनों मरीज गैर जोखिम वाले देशों से आए हैं जबकि ब्रिटेन से आए तीन लोगों को कोरोना से संक्रमित पाया गया है और इन्हें ओमिक्रोन का संदिग्ध मामला मानकर आगे की जांच कराई जा रही है। उल्लेखनीय है कि अब तक महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के 32 मामले मिल चुके हैं जिनमें से 25 संक्रमण से ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए। एक दिन पहले भी महाराष्ट्र में आठ मामले सामने आए थे। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बुधवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक की।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में नहीं लागू होगा ओबीसी आरक्षण

सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

मुंबई: महाराष्ट्र के आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण लागू नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र के राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह स्थानीय निकाय चुनाव में ओबीसी के लिए आरक्षित 27 प्रतिशत सीटों को सामान्य वर्ग की सीटों के तौर पर अधिसूचित करे और चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाए। ये आदेश बुधवार को जस्टिस एएम खानविल्कर की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिए।

कोर्ट ने आदेश दिया कि 27 प्रतिशत ओबीसी सीटों को सामान्य वर्ग में अधिसूचित किए जाने वाली सीटों और बाकी 73 प्रतिशत सामान्य वर्ग की सीटों की मतगणना और चुनाव परिणाम एक ही दिन स्थानीय निकाय वार घोषित होने चाहिए। ये निर्देश उपचुनाव पर भी लागू होंगे। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने छह दिसंबर को स्थानीय निकायों में महाराष्ट्र सरकार द्वारा लागू किए गए 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर रोक लगा दी थी।

बुधवार को कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह 27 प्रतिशत ओबीसी सीटों को सामान्य वर्ग की सीटें घोषित करने की नई अधिसूचना जारी करे। कोर्ट ने छह दिसंबर के रोक आदेश में संशोधन करने की महाराष्ट्र सरकार और हस्तक्षेप अर्जी दाखिल करने वाले अन्य लोगों की मांग खारिज कर दी। महाराष्ट्र सरकार ने कहा था कि कोर्ट पूरे चुनाव पर रोक लगा दे और राज्य आयोग को ओबीसी डाटा एकत्र करने में तेजी लाने को कहे। इसके लिए उसे तीन महीने का समय दिया जाए। महाराष्ट्र की ओर से पेश मुकुल रोहतगी ने कहा कि कोरोना के कारण आयोग के काम में देरी हुई है। लेकिन कोर्ट ने ऐसा आदेश नहीं दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास, गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
T.C. NO. MAHHIN10172 ईमेल: newsicon2021@gmail.com newsicon.net